क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 260, सोमवार, 15 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### गोवा लौटे मनोहर पर्रिकर, अब घर पर ही कराएंगे इलाज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर आज (रविवार) दिल्ली से गोवा लौट गए। इससे पहले तकरीबन एक महीने तक एम्स अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उन्हें रविवार दोपहर को डिस्चार्ज किया गया। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पर्रिकर को एयर एंबुलेंस से गोवा ले जाया गया है। अग्न्याशय की बीमारी के इलाज के लिए पर्रिकर को 15 सितंबर को दिल्ली के प्रमुख अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। अपनी खराब सेहत के चलते मुख्यमंत्री कार्यालय में अनुपस्थिति के दौरान सरकार के सुचारू रूप से काम करने के तरीकों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को पर्रिकर ने भाजपा की गोवा इकाई की कोर कमिटी के सदस्यों एवं गठबंधन सहयोगी दलों के मंत्रियों से एम्स में मुलाकात की थी। उन्होंने लंबित विकास कार्यों की भी समीक्षा की और अपने कुछ विभागों का कार्यभार मंत्रिमंडल के कुछ साथियों को बांटे जाने पर चर्चा की। सत्तारूढ़ भाजपा एवं उसकी सहयोगी पार्टी के नेताओं ने राज्य के नेतृत्व में किसी भी तरह के बदलाव से इनकार किया है। पर्रिकर फरवरी के मध्य से ही बीमार हैं और उनका गोवा, मुंबई एवं अमेरिका के अस्पतालों समेत कई अलग-अलग अस्पतालों में इलाज हुआ है।

### बदमाशों से मुठभेड़ में नहीं चला पिस्टल तो दरोगा ने मुंह से किया- 'ठांय, ठायं'

**नई दिल्ली।** उत्तर प्रदेश के संभल में अपराधियों से मुठभेड़ के वक्त जब दरोगा पिस्टल नहीं चला तो दरोगा साहब ने मुंह से ही ठांय, ठांय बोलकर काम चलाया। पुलिस की इस लाचारी का खबर से लोग हैरान हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें आप देख सकते है किस प्रकार से अपराधियों को डराने के लिए दरोगा मुंह से ठांय, ठांय की आवाज निकाल रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, घटना 12 अक्टूबर की है लेकिन इसका वीडियो 13 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसके बाद मामले सामने आया। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि किस प्रकार से एक पुलिस अफसर मारो, मारो, घेरो, ठांय, ठांय बोलकर अपराधियों को डराने की कोशिश कर रहा है। मामले के बारे में एनएनआई से बताते हुए एक सीनियर पुलिस अफसर ने बताया किया यह एक टेक्निकल ग्लिच था। ऐसा पहली बार नहीं हुआ, यह होता रहता हे। ऐसी स्थित में अपराधियों को डराने के लिए उन पर प्रेशर बनाने के लिए पुलिसवाले विशेष ट्रिक का इस्तेमाल करते हैं।

### माता वैष्णोदेवी का दर्शन करने के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी यह विशेष सुविधा, श्राइन बोर्ड ने दी मंजूरी

**श्रीनगर। एजेंसी।** श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) ने वैष्णोदेवी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पांच लाख रूपये के मुफ्त दुर्घटना बीमा को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा नजदीकी क्षेत्र में ट्रॉमा पीड़ितों का मुफ्त इलाज भी किया जायेगा। यहां राजभवन में शनिवार को जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की 63वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रदेश के राज्यपाल बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सामूहिक दुर्घटना बीमा कवर को बढ़ाने की बोर्ड ने मंजूरी दे दी। प्रवक्ता ने बताया कि वैष्णोदेवी आने वाले पांच साल से अधिक आयु के श्रद्धालुओं में प्रत्येक का दुर्घटना बीमा कवर तीन लाख रूपये से बढ़ाकर पांच लाख रूपये कर दिया गया है और पांच साल से कम उम्र के श्रद्धालुओं का तीन लाख रूपये का बीमा कवर होगा।

# कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

# गुरुग्राम शूटआउट: हत्यारोपी गनर मजिस्ट्रेट के सामने पेश

**गुरुग्राम।** शनिवार की शाम गुरुग्राम में गनमैन की गोली से जज की घायल पत्नी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, वहीं बेटे की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। गोली लगने के बाद घायल मां-बेटे का इलाज मेदांता अस्पताल में चल रहा था, जहां शनिवार रात करीब 11:30 बजे जज की पत्नी की मौत हो गई।

जज की मृतक पत्नी का अंतिम संस्कार सोमवार को हिसार में किया जाएगा। वहीं पुलिस ने हत्यारोपी गनर को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। गुरुग्राम कोर्ट ने आरोपी गनर महिपाल को 4 दिन के लिए पुलिस की कस्टडी में भेजा दिया है।

आपको बता दें कि गुरुग्राम के मिलेनियम सिटी के सेक्टर-49 स्थित आर्केडिया मार्केट में शनिवार की शाम अतिरिक्त सत्र एवं न्यायधीश (एडीजे) के आरोपी गनमैन ने उनकी पत्नी और बेटे पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। इसमें एडीजे की पत्नी को दो वहीं बेटे को तीन गोलियां जा लगी थी। गोली मारने के बाद आरोपी गनमैन गाड़ी को लेकर भाग निकला।

इसके बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने फायरिंग में घायल हुए जज की पत्नी और बेटे को लोगों ने ऑटो से निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां से उन्हें मेदांता रेफर कर दिया गया है।

एसआईटी की हेड डीसीपी सलोचना गजराज ने आज गुरूग्राम के सेक्टर 56 थाने पहुंचकर आरोपी कॉस्टेबल महिपाल से पूछताछ की। आरोपी गनर महिपाल ने घटना की असली अभी तक नहीं बताई। महिपाल के अनुसार वह हिंदू, लेकिन चर्च भी जाता था। एसआईडी हेड सुलोचना गजराज के अनुसार कई दिनों सो नहीं पाया था आरोपी। अभी तक यह साफ नहीं है कि वजह क्या थी? हम अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं। अभी निष्कर्ष तक पहुंचने में समय लगेगा।

गुरुग्राम में एडीशनल सेशन जज के गनमैन द्वारा पत्नी और बेटे को गोली मारने की घटना डीजीपी ने उच्च स्तरीय जांच के निर्देश जारी किए हैं।

जज के गनमैन ने पत्नी और बेटे को गोली क्यों मारी? इसकी वजह सामने के बाद विस्तृत कार्ययोजन बनाकर हरियाणा पुलिस प्रदेश के सभी वीआईपी की सुरक्षा की समीक्षा करेगी। पुलिस महानिदेशक बीएस संधू ने घटना के बाद हिन्दुस्तान से बातचीत में कहा कि यह काफी दु:खद है। हम इस घड़ी में परिवार के साथ हैं।

**गुरुग्राम शूटआउट: चश्मदीदों ने बताया-गनर ने गाली देते हुए दागी गोलियां**

गोली मारने के बाद आरोपी गनमैन

ने किया था जज को फोन

डीसीपी सुमित कुमार ने बताया कि आरोपी गनमैन ने घटना के बाद एडीजे कृष्णकांत को मोबाइल पर सूचना दी और कहा कि मैंने आपकी पत्नी और बेटे को गोली मार दी है, संभाल लेना। उस वक्त, जज हाईकोर्ट से जुड़ी केस रिव्यू की एक मीटिंग में थे। उनके साथ सेशन जज आर के सोंधी भी थे। वहां से डीसीपी ने गुरुग्राम पुलिस को सूचना दी। इसके बाद डीसीपी ईस्ट सुलोचना गजराज मौके पर पहुंची।

# राजग के साथ मजबूती से खड़े, नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए प्रतिबद्ध : कुशवाहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के प्रमुख उपेन्द्र कुशवाहा ने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का साथ छोड़ने की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उनकी पार्टी राजग के साथ मजबूती से खड़ी है और देशहित में अगले पांच वर्षों के लिये नरेन्द्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने की खातिर प्रतिबद्ध है।

कुशवाहा ने जोर दिया कि उनकी पार्टी उच्च न्याय पालिका में समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिये हल्ला बोल, दरवाजा खोल अभियान को आने वाले समय में पूरी ताकत से आगे बढ़ायेगी। उपेन्द्र कुशवाहा ने 'भाषा' से खास बातचीत में कहा, 'राजग गठबंधन मजबूती से आगे बढ़ रहा है, हम राजग को मजबूत बनाने के लिये लगे हैं और लगे रहेंगे।'

उनके खीर संबंधी कथित बयान के बारे में पूछे जाने पर मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री ने कहा, 'इसका गलत अर्थ निकाला गया । इसका संदेश समाज के लिये था, यह कोई राजनीतिक बयान नहीं था। मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री के अनुसार, उनके कहने का आशय था कि समाज के अलग अलग वर्गों से चीजें आएं और उनसे खीर बने तो समाज का तानाबाना मजबूत होगा तथा देश मजबूती से आगे बढ़ेगा।' कुशवाहा ने कहा कि किसी यदुवंशी के यहां से दूध आए, ब्राह्मण के यहां से चीनी, पिछड़े के यहां से पंचमेवा, दलित के यहां से तुलसी आए और यह सामग्री मिला कर बनी खीर अगर मुसलमान भाई के दख्तरखान पर बैठकर खाई जाए तो देश को ताकत मिलेगी। यही तो 'सबका साथ, सबका विकास का आशय है।

राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के प्रमुख ने कहा कि इस बयान का कोई राजनीतिक मतलब नहीं था लेकिन लोग कयास लगाने के लिये स्वतंत्र हैं। यह पूछे जाने पर तेजस्वी यादव एवं राजद के कुछ नेताओं ने आपके विपक्षी महागठबंधन में शामिल होने के संकेत दिये हैं, कुशवाहा ने कहा, 'उन्हें निराशा ही हाथ लगेगी।' भाजपा के साथ सीटों के बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बात चल रही है लेकिन इस बारे में उचित मंच पर ही चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के मुद्दे समाज का सम्पूर्ण विकास, शिक्षा, समानता का अवसर प्रदान करना और अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ओबीसी वर्ग के हितों की रक्षा करना आदि हैं। कुशवाहा ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिये सबसे बड़ा मुद्दा उच्च न्यायपालिका में समाज के सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व प्रदान करना है जो कॉलेजियम प्रणाली के कारण संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने जजों की बहाली की कॉलेजियम प्रणाली को अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने ''हल्ला बोल, दरवाजा खोल अभियान शुरू किया है ताकि उच्च न्यायपालिका में सभी वर्गों के आम लोगों के लिये रास्ता साफ हो सके। कुशवाहा ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हाल ही में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में इस बारे में चिंता जता चुके हैं।

### आरोपी गनमैन गिरफ्तार

# गुरुग्राम : दिनदहाड़े जज की पत्नी और बेटे को मारी गोली, हालत नाजुक,

**गुरुग्राम।** मिलेनियम सिटी के सेक्टर-49 स्थित आर्केडिया मार्केट में शनिवार की शाम अतिरिक्त सत्र एवं न्यायधीश (एडीजे) के आरोपी गनमैन ने उनकी पत्नी और बेटे पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें एडीजे की पत्नी को दो और बेटे को तीन गोलियां जा लगीं। दोनों वहीं सड़क के किनारे फुटपाथ पर जमीन पर गिर पड़े। पत्नी और बेटे को गोली मारने के बाद आरोपी गनमैन गाड़ी को लेकर भाग निकला।

फायरिंग में घायल हुए जज की पत्नी और बेटे को लोगों ने ऑटो से निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां से उन्हें मेदांता रेफर कर दिया गया है।

जहां दोनों की हालत नाजुक बनी हुई है। आरोपी गनमैन को पत्नी और बेटे पर हमला शॉपिंग करके वापस गाड़ी की तरफ आने के वक्त किया।

**घेराबंदी करके पकड़ा:**

गुड़गांव कोर्ट में एडीजे कृष्णकांत का आरोपी गनमैन महिपाल उनकी निजी कार से पत्नी रितु (37) और बेटा ध्रुव (17) मार्केट पहुंचा था।

पत्नी और बेटा जैसे ही कार से उतर कर कुछ दूर गए वैसे ही गनमैन ने गोलियां दागते हुए दोनों पर फायरिंग कर दी।

हाथ में रिवाल्वर होने के कारण मार्केट में मौजूद लोग पास जाने का साहस नहीं जुटा पाए और वीडियो बनाते रहे। सूचना सेक्टर-50 थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने गनमैन को हिरासत में

लेने के लिए आसपास के एरिया में नाकेबंदी की।

करीब डेढ़ घंटे के इंतजार के बाद आरोपी गनमैन को गुरुग्राम-फरीदाबाद के पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी गनमैन हरियाणा पुलिस में सिपाही के पद पर तैनात है।

**आरोपी गनमैन जज को किया फोन:**

डीसीपी सुमित कुमार ने बताया कि आरोपी गनमैन ने घटना के बाद एडीजे कृष्णकांत को मोबाइल पर सूचना दी और कहा कि मैंने आपकी पत्नी और बेटे को गोली मार दी है, संभाल लेना। उस वक्त, जज हाईकोर्ट से जुड़ी केस रिव्यू की एक मीटिंग में थे।

सेशन जज आर के सोंधी भी थे। वहां से डीसीपी ने गुरुग्राम पुलिस को सूचना दी। इसके बाद डीसीपी ईस्ट सुलोचना गजराज मौके पर पहुंची।

# अकबर के खिलाफ आरोपों पर मोदी की चुप्पी अस्वीकार्य है : कांग्रेस

**एजेंसी,नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि उनकी चुप्पी ''साफ नजर आ रही है लेकिन वह अस्वीकार्य है।

पिछले पखवाड़े में 'मी टू अभियान के जोर पकड़ने के साथ केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री एम जे अकबर पर उनके कई पूर्व सहयोगियों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। आरोप उस वक्त के हैं जब अकबर विभिन्न मीडिया संगठनों में संपादक के रूप में कार्यरत थे।

पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आनंद शर्मा ने इस मुद्दे पर मोदी की चुप्पी पर सवाल खड़े किए और कहा कि सरकार के प्रमुख के रूप में उन्हें इस मुद्दे पर बोलना चाहिए।

शर्मा ने कहा, ''इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री बोलें, देश अपने प्रधानमंत्री को उनके कार्यों से परखे। अब तक उनकी चुप्पी स्पष्ट है।

यह सवाल न केवल सरकार के नैतिक अधिकार पर है बल्कि उनके अपने ऊपर भी है और जिस पद पर वह बैठे हुए हैं उसकी गरिमा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संकल्प लेते हैं और महिलाओं की गरिमा की बात करते हैं, वह इस मुद्दे पर चुप हैं। शर्मा ने कहा, ''उनकी चुप्पी अस्वीकार्य है। सरकार के प्रमुख को मुद्दे पर अपने विचार प्रकट करने चाहिए।

*पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाने की मांग को लेकर भाजपा की ओबीसी इकाई के प्रदर्शन से आईटीओ पर लगा जाम।*

# स्कूल में समानता के अधिकार का पालन करें शिक्षक

*उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग ने सभी 732 स्कूलों को जारी किया आदेश*

*शिक्षा के अधिकार का पालन करने की जिम्मेदारी प्रधानाचार्य और प्रभारी शिक्षक की*

**नई दिल्ली।** वज़ीराबाद में धर्म के नाम पर स्कूली कक्षाओं का बंटवारा सामने आने के बाद उत्तरी दिल्ली नगर निगम के शिक्षा विभाग ने अपने तमाम स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रभारी शिक्षकों के लिए आदेश पत्र जारी किया है। इस छह सूत्री आदेश में प्रधानाचार्यों से कहा गया है कि वह अपने-अपने स्कूल में समानता के अधिकार का पालन करें और इस बाबत अन्य शिक्षकों को भी जागरूक करें ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। शिक्षा विभाग के निदेशक हेमंत कुमार ने बताया कि निगम के सभी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार 2009 लागू है और सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। स्कूलों में शिक्षा के अधिकार का पालन करने की जिम्मेदारी प्रधानाचार्य और प्रभारी शिक्षक को दी गई है। उनसे कहा गया कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न बरता जाए। बच्चों व उनके अभिभावकों के साथ हमेशा मधुर व्यवहार करें। किसी भी कक्षा में बच्चों के साथ भाषा, जाति, धर्म, लिंग और आर्थिक आधार पर भेदभाव न किया जाए और विशेष बच्चों (फिजिकली चैलेंज्ड) पर विशेष ध्यान दिया जाए। स्कूलों में समानता के अधिकार का पूर्ण रूप से पालन किया जाए। शिक्षा विभाग के छह सूत्री नियम उत्तरी दिल्ली के सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त स्कूलों में भी लागू किए जाएंगे।

# कार्यस्थल पर यौन शोषण के खिलाफ पत्रकारों का प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** देश में ''मी टू' अभियान के जोर पकड़ने के साथ शनिवार को पत्रकारों के एक समूह ने यौन शोषण की घटनाएं उजागर करने वाली अपनी महिला सहकर्मियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए यहां विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने साथ ही कार्यस्थल पर गरिमा सुनिश्चित करने के लिए यौन शोषण रोकथाम अधिनियम के उचित कार्यान्वयन की मांग को लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया।प्रदर्शनकारी पत्रकारों ने यौन दुराचार के आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कई महिला पत्रकारों द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों से घिरे केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर को पद से हटाने की भी मांग की। अकबर पूर्व पत्रकार हैं और पूर्व में कई अखबारों के संपादक रह चुके हैं। उन्होंने अखबारों में शीर्ष पदों पर रहते हुए कथित रूप से महिला सहकर्मियों का यौन शोषण किया। पत्रकार हाथों में तख्तियां लिए हुए थे जिसपर लिखा था कि कार्यस्थल पर यौन शोषण स्वीकार्य नहीं है और जवाबदेही शीर्ष से शुरू होती है। पत्रकारों ने अकबर को हटाने के लिए नारेबाजी की। वरिष्ठ पत्रकार और महिला पत्रकारों के संगठन इंडियन वीमेंस प्रेस कोर (आईडब्ल्यूपीसी) की अध्यक्ष टी आर राजलक्ष्मी ने कहा, ''''कार्यस्थल पर यौन शोषण स्वीकार्य नहीं है।

## संपादकीय

# चिंता का सबब

अतंक की दुनिया में कश्मीर घाटी के युवाओं का प्रवेश कोई नई बात नहीं रह गई है। घाटी में आए दिनों होने वाली आतंकी वारदात या सुरक्षा बलों से उनकी होने वाली मुठभेड़ों से इसकी पुष्टि होती रहती है। लेकिन घाटी के बाहर शेष भारत में पढ़ने वाले कश्मीरी युवाओं के बारे में पहले ऐसी सूचना नहीं मिलती थी। कुछ महीने पहले जनवरी में अलीगढ़ मुस्लिम विविद्यालय के एक शोध छात्र मन्नान वानी की एके-47 राइफल के साथ तस्वीर सामने आई थी। उस समय पहली नजर में यह विास करना कठिन था कि वह आतंकी बन गया है।

लेकिन जब सुरक्षा बलों के हाथों मुठभेड़ में वह मारा गया, तो इसमें किसी को कोई संदेह नहीं रह गया कि वह आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गया था। इस घटना से ठीक पहले पंजाब के शिक्षण संस्थानों से भी कुछ कश्मीरी छात्र आतंकियों के संपर्क में होने के आरोप में पकड़े गए थे। संभव हो आईएसआई इनके जरिये आतंकवाद का विस्तार कश्मीर घाटी के बाहर करना चाहती हो। ऐसा तभी हो सकता है, जब घाटी के बाहर उन्हें सामाजिक समर्थन न मिलता हो। कश्मीरी छात्रों के बीच आतंकी तत्वों का प्रवेश निःसंदेह चिंता का विषय है, लेकिन उनके पीछे समाज के एक हिस्से में समर्थन का भाव होना भी कम चिंता का विषय नहीं है। कश्मीर घाटी में वानी को शहीद बताना अथवा उसके समर्थन में बंद या विरोध प्रदर्शन का आयोजन करना अप्रत्याशित घटना नहीं है, लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विविद्यालय में पढ़ने वाले कुछ कश्मीरी छात्रों द्वारा वानी के मारे जाने पर शोक सभा के आयोजन की कोशिश करना अवश्य चिंता की बात है। इससे तो कश्मीरी छात्रों के प्रति सुरक्षा एजेंसियों और समाज के कुछ हिस्सों में व्याप्त उस धारणा को ही बल मिलेगा, जिसके तहत उन्हें संदेह की नजर से देखा जाता है। समय की मांग है कि सरकार और उसकी सुरक्षा एजेंसियां शिक्षण संस्थाओं में ऐसे तत्वों की पैठ पर नियंतण्ररखने के लिए समुचित कदम उठाएं। अभी तो ये शिक्षण संस्थाएं उनके ठहरने के लिए सुरक्षित जगह बनी हुई हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि ये शिक्षण संस्थाएं एक दिन उनके निशाने पर ही न आ जाएं। शिक्षा परिसर की गरिमा सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही नहीं है, समाज की भी है। इंसानियत के दुश्मनों के प्रति हमदर्दी नहीं दिखाई जा सकती।

# मुखौटे उघाड़ने का वक्त

पुरुष प्रधान समाज के सत्ता व साधन संपन्न पुरुषों ने बीती सदी में कल्पना भी न की होगी कि नए मिलेनियम की नारी यौन शोषण की वर्जनाओं का जबरन उढ़ाया घूंघट कभी उतार फेंकेगी। वह अपने आकाओं से लेकर परिवार के मुखियाओं तक के अत्याचारों का खुलासा करके सरेआम शोषकों के मुखौटे उघाड़ देगी। 'मुझे भी रुसवा किया किसी पुरुष ने' के भाव से 'मी टू' प्लेटफार्म बना तो भारतीय पत्रकारों और समाज के अलंबरदारों ने खैरमकदम किया। फिर चेतना यहां तक पहुंची कि पत्रकार से सांसद और सत्ता तक पहुंचे एम. जे. अकबर और जनता के चहेते सिने सितारों को पता भी तब चला जब मी टू चैलेंज एक दुःस्वप्न की तरह सामने आ गया। जिस तरह पुरानी महिला सहकर्मियों ने अकबर पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं, उसने उन्हें भारतीय मीडिया का हार्वे विंस्टन का उदाहरण बना दिया है। अभी तक उनकी 9 महिला सहकर्मियों ने उन पर आरोप लगाया है कि जब वे संपादक थे तब उन्होंने उनके साथ मिसबिहेव किया था।

मी टू की मुखर अभिव्यक्ति के दौरान खुलासा हुआ कि पुरुष अधिकारी अपनी महिला सहकर्मियों का शोषण करते हैं। लड़कियों को अच्छी नौकरी, अच्छे पर्क्स और पदोन्नति का लालच देकर महंगे होटलों में बुलाकर जबरदस्ती का प्रयास करते हैं। वे अपनी पदवी और रसूख के चलते धमकी देकर चुप रहने को मजबूर करते हैं। दरअसल 90 के दशक में ऐसे मामलों में ज्यादा मुखर विरोध समाज में नहीं होता था, इसलिए वे चुप रहने को मजबूर हुईं। आखिरकार मीडिया और एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में कई लोगों पर 'मी टू मूवमेंट' के जरिए आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए, जिसने पुराने जख्मों को उधेड़ दिया। लोग अब महिलाओं के प्रति किए गए अपराधों के लिए किसी को भी माफ नहीं करेंगे। लोगों को कानूनी और सामाजिक रूप से प्रताड़ना का जवाब देना पड़ेगा। सुकून की बात यह है कि सरकार और न्यायालय महिलाओं से संबंधित मुद्दों को गंभीरता से ले रहे हैं। ऐसे में विदेश राज्यमंत्री से उम्मीद है कि वे आरोपों पर सफाई देने के साथ ही खुद को जांच पड़ताल के लिए प्रस्तुत करेंगे।

## ओशो

# पाप मुक्ति

बात जो तीर्थ के बाबत ख्याल ले लेना चाहिए, वह यह कि सिंबालिक ऐक्ट का, प्रतीकात्मक कृत्य का भारी मूल्य है। जैसे जीसस के पास कोई आता है और कहता है। मैंने यह पाप किए। वह जीसस के सामने कन्फेस कर देता है, सब बता देता है मैंने यह पाप किए। जीसस उसके सिर पर हाथ रख कर कह देते हैं कि जा तुझे माफ किया। अब इस आदमी ने पाप किया है। जीसस के कहने से माफ कैसे हो जाएंगे? जीसस कौन है और हाथ रखने से माफ हो जाएंगे, जिस आदमी ने खून किया, उसका क्या होगा, या हमने कहा, आदमी पाप करे और गंगा में स्नान कर ले, मुक्त हो जाएगा। बिल्कुल पागलपन मालूम हो रहा है। जिसने हत्या की है, चोरी की है, बेईमानी की है, गंगा में स्नान करके मुक्त कैसे हो जाएगा? यह दो बातें समझ लेनी जरूरी है। एक तो यह, कि पाप असली घटना नहीं है। स्मृति असली घटना है- मैमोरी। पाप नहीं, एक्ट नहीं, असली घटना जो आप में चिपकी रह जाती है। वह स्मृति है। आपने हत्या की है। यह उतना बड़ा सवाल नहीं है। आखिर में। आपने हत्या की है, यह स्मृति कांटे की तरह पीछा करेगी। जो जानते हैं कि हत्या की है या नहीं। वह नाटक का हिस्सा है, उसका कोई मूल्य नहीं है। न कभी मरता है कोई, न कभी मार सकता है कोई। मगर यह स्मृति आपका पीछा करेगी कि मैंने हत्या की, मैंने चोरी की। यह पीछा करेगी और यह पत्थर की तरह आपकी छाती पर पड़ी रहेगी। वह कृत्य तो गया, अनंत में खो गया, वह कृत्य तो अनंत ने संभाल लिया। सच तो यह है सब कृत्य तो अनंत के हैं; आप नाहक उसके लिए परेशान हैं। और चोरी भी हुई है आपसे, तो अनंत के ही द्वारा आपसे हुई है। हत्या भी हुई है तो भी अनंत के द्वारा आपसे हुई है, आप नाहक बीच में अपनी स्मृति लेकर खड़े हैं। मैंने किया। अब यह ''मैंने किया' यह स्मृति आपकी छाती पर बोझ है। क्राइस्ट कहते हैं, तुम कन्फेस कर दो, मैं तुम्हें माफ किए देता हूं। असल में क्राइस्ट पाप से तो मुक्त नहीं कर सकते, लेकिन स्मृति से मुक्त कर सकते हैं। स्मृति ही असली सवाल है। गंगा पाप से मुक्त नहीं कर सकती, लेकिन स्मृति से मुक्त कर सकती है। अगर कोई भरोसा लेकर गया है कि गंगा में डुबकी लगाने से सारे पाप से बाहर हो जाऊंगा और ऐसा अगर उसके चित में है। उसके समाज की करोड़ों वर्ष से छुटकारा नहीं होगा वैसे, क्योंकि चोरी को अब कुछ और नहीं किया जा सकता।

# मौजूदा विकास पर भी सवाल

हरिमोहन मिश्र

आज कुछ ऐसे सवालों से रू-ब-रू है, जिन पर कुछ ठहर कर गहरे से विचार किया जाए तो नई उम्मीदें खिल सकती हैं। लेकिन इतिहास तो यही बताता है कि हमारा सत्ता-तंत्र बचने के कई तरीके तलाश लेता है, और सवाल लगातार पेचीदा होकर खो जाते हैं। मीटू मुहिम पर जरा गौर कीजिए। अचानक चौतरफा जैसे यौन शोषण की तोहमतों का चक्रवात घुमड़ने लगा है। कुछ महिलाओं ने मुंह खोलने का साहस दिखाया और सोशल मीडिया को अपना हथियार बनाया तो ताकतवरों की बेलज्जत वासनाओं के अनेक दबे-छुपे किस्से आरोप की शक्ल में बाहर आने लगे। इनमें कुछ ने घटनाओं की पुष्टि के लिए मोबाइल और इंटरनेट चैट भी सामने रखी है, तो कुछ ने सिर्फ अपने ब्योरे बताए। कुछ जानी-मानी हैं, तो कुछ ने गुमनाम रहना सुरक्षित समझा। हालांकि अपने क्षेत्रों की खबर रखने वाले लोग ऐसे किस्सों से वाकिफ नहीं थे, ऐसा नहीं है। कुछेक गपशप वाले स्तंभों में इन पर रोशनी भी पड़ती रही है। मगर ताकतवरों की हैसियत ऐसी डरावनी और तंत्र पर पकड़ इतनी मजबूत रही है कि कोई कुछ कहने की जुर्रत नहीं करता। अभी तो बहुत सारे क्षेत्रों से खबरें आना बाकी हैं। खैर! यहां इन घटनाओं का जिक्र दोहराना मकसद नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था पर विचार करना है, जिससे यह सब संभव हो पाता है। क्या इनसे हमारे सत्ता-तंत्र और विकास के रास्ते पर सवाल खड़े नहीं होने लगते हैं, जो लगातार गैर-बराबरी की खाई चौड़ी करती जा रहा है और ताकतवरों को कुछ भी करके बचे रहने का मौका मुहैया कराता है? हमारे इस विकास का एक और प्रतिफल हाल में गुजरात से बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के पलायन की घटना के रूप में सामने आया। इसके सियासी पहलुओं को थोड़ी देर के लिए नजरअंदाज करके स्थानीय लोगों की ओर से उठी उन आवाजों पर गौर कीजिए कि बाहरी लोग नौकरियां और रोजगार हासिल कर ले रहे हैं, और यहां के लोग बेरोजगारी झेल रहे हैं। यह तो फौरन ही उस विकास यात्रा पर सवाल उठा देता है, जिसे हाल के दौर में गुजरात मॉडल कहकर सराहा गया था। हालांकि यह भी सही है कि यही मॉडल पूरे देश में लगातार जारी है, और सारी नीतियां उसी के इर्द-गिर्द बनती हैं। यही हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है, जिसे जीडीपी विकास कहा जा सकता है। मौजूदा विकास यह नहीं देखता कि जहां कारखाना लगे और जिस क्षेत्र के संसाधनों का इस्तेमाल हो रहा हो, वहां के लोगों को भी इससे राहत मिले। इसके बदले यह विकास लोगों को विस्थपित करता है, ऐसी नई वस्तियां बसाता है, जिसके लोग अपनी जमीन से उखड़े हुए होते हैं। स्थानीय लोगों का गुरेज सिर्फ यही नहीं होता कि ये हमारे रोजगार चट कर जा रहे हैं,बल्कि यह भी होता है कि ये आपराधिक प्रवृत्तियों में भी लिप्त होते हैं, इसका सच्चाई से चाहे कोई लेना-देना न हो। इस तरह के इस विकास में कालांतर में स्थानीय और बाहरी का विवाद उठने की भरपूर संभावनाएं तो हैं ही। इसके नजारे भी रह-रहकर मुंबई जैसे कई जगहों पर दिखते ही रहे हैं। ये दोनों ही घटनाएं मौजूदा विकास से पैदा होने वाली निरंकुशता और सर्वसत्तावादी रु झानों की ओर इशारा करती हैं। बेशक, ऐसी स्थितियां सिर्फ हाल के दौर में ही पैदा नहीं हुई हैं। यह दौर तो अंग्रेजी राज में ही शुरू हो गया था। पहले के कहानीकार विस्थापन और उससे उभरने वाली विडंबनाओं पर अपनी कलम चला चुके हैं। अगर याद करें तो शरत चंद्र की मशहूर उपन्यास देवदास भी उसी विडंबना की कहानी है, जो नई केंद्रीकृत व्यवस्था और अपनी जमीन से उखड़ने की विडंबना की कथा है। उसमें देवदास को सत्ता और शिक्षा के नए केंद्र कलकत्ता भेज दिया जाता है और दोनों परिवारों की हैसियत बदलती है तो उसकी प्रेमिका पारो से उसका विछोह हो जाता है, जिसका अंत दुखद होता है। यही नहीं, हमारे पितृसत्तात्मक समाज में स्त्रियां सबसे निचले पायदान पर हैं। यह भी तय है कि व्यवस्था जितनी केंद्रीकृत, गैर-बराबरी बढ़ाने वाली और निरंकुश होगी, निचले पायदान के लोगों पर ही इसका दंश सबसे ज्यादा असर करेगा। हालांकि स्वाधीनता आंदोलन और उसके बाद मजदूरों और गरीबों के अधिकारों को लेकर जागरूकता के कारण इस निरंकुशता पर कई तरह के अंकुश रहे हैं। मजदूरों के हक में कानूनों और मजबूत मजदूर यूनियनों के चलते भी एक तरह का दबाव रहता आया है। हालांकि यह भी सही है कि कालांतर में मजदूर यूनियनों में भी कई तरह की विकृतियां पैदा हो गई। लेकिन नब्बे के दशक में कथित उदारीकरण और आर्थिक सुधारों के बाद नीतियों का फोकस एकदम बदल गया। नीतियों का जोर उद्योगों और कारोबार की ओर ही पूरी तरह से ढल गया। बड़े आक्रामक ढंग से मजदूर और गरीबों के लिए राहत वाले कानूनों और रियायतों को ही देश की दुर्दशा का दोषी बताया जाने लगा। अभी तक श्रम कानूनों को बदलने का संघर्ष लगातार कई सरकारें करती रही हैं। लेकिन श्रम कानूनों को पूरी तरह बदल डालने और उद्योगों को मनमर्जी से लोगों को रखने या हटाने की व्यवस्था कायम करने की हिम्मत सरकारें अभी नहीं जुटा पाई हैं। लेकिन धीरे-धीरे ऐसे तमाम बदलाव हुए कि मजदूर या हर तरह के कामकाजी लोग अधिकारविहीन होते चले गए। व्यावहारिक स्थिति यही बन गई कि निचले कर्मचारी ऊपरी अधिकारियों या मालिकों की मर्जी के हरकारे बनकर रह गए। ऊपर के लोगों की तनख्वाह और सुविधाओं में निचले कर्मचारियों से आकाश-पाताल का अंतर होने लगा। मीडिया संस्थानों का तो और बुरा हाल हो गया जहां निचले पायदान के लोग पूरी तरह ऊपरवालों की मर्जी पर आश्रित हो गए। विरोध जताने की उनकी क्षमताएं घट गई या खत्म-सी हो गई। अगर संगठित क्षेत्र का यह हाल हुआ तो बॉलीवुड जैसे असंगठित क्षेत्र में और भी फर्क बढ़ता गया। यह फर्क ही निचले पायदान के लोगों को निहायत मजबूर बनाता गया। फिर लड़कियां और स्त्रियां समाज के निचले पायदान पर होने के चलते शोषण की असान शिकार होने लगीं। स्त्रियों का शोषण बेशक, समाज में गहरे धंसा है मगर केंद्रीकृत व्यवस्था और ताकतवरों की निरंकुशता की वजह से और आसान हो गया। कहीं सुनवाई की कोई व्यवस्था न होने से भी मामला पेचीदा होता गया। पहले मजदूर यूनियनों की संगठित ताकत के कारण अदालतों में पहुंचना कुछ आसान होता था। लेकिन अब अदालतें भी निचले पायदान के लोगों के लिए दूर होती चली गई। खासकर स्त्रियों के मामले में तो सामाजिक कलंक का डर उन्हें शोषण के लिए और माकूल बना देता रहा है।इस पूरी कहानी का लब्बोलुआब यह है कि विकास की मौजूदा धारा को बदले बिना शोषण की यह गाथा मिटने वाली नहीं है। दरअसल, यह विकास बड़े पैमाने पर गैर-हुनरमंद भी बना रहा है क्योंकि यह लोगों के पारंपरिक हुनर को तो नष्ट कर ही रहा है, नए हुनर और शिक्षा के लिए इतने महंगे पैमाने तय कर रहा है कि उसे हासिल करना मुट्ठी भर लोगों के ही वश में है। ज्यादातर लोगों के लिए सरकारी योजनाओं के भरोसे रहने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है, जो ज्यादातर दिखावटी ही बनी रहती हैं। दक्षिण गुजरात में करीब एक दशक तक अध्ययन करने वाले समाजशास्त्री जेन बरमन अपनी किताब''ऑन पॉपरिज्म इन प्रेजेंट एंड पास्ट' में बताते हैं कि मौजूदा स्थितियों से हुनरमंद लोग भी बड़े पैमाने पर गैर-हुनरमंद होते जा रहे हैं, और आमदनी में कमी का दंश झेल रहे हैं। इससे समाज का बड़ा हिस्सा दोहरे संकट में फंसता जा रहा है। गुजरात मॉडल के विकास की विडंबना पर यह किताब बेहतर रोशनी डालती है, जो कभी पाटीदार आरक्षण आंदोलन तो कभी बाहरियों के प्रति गुस्से में प्रकट हो रहा है। इसलिए संकट को सही परिप्रेक्ष्य में देखना जरूरी है, तभी हम मीटू मुहिम और गुजरात में पैदा होने वाली टकराहटों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

> विकास की मौजूदा धारा को बदले बिना शोषण की यह गाथा मिटने वाली नहीं है। दरअसल, यह विकास बड़े पैमाने पर गैर-हुनरमंद भी बना रहा है क्योंकि यह लोगों के पारंपरिक हुनर को तो नष्ट कर ही रहा है, नए हुनर और शिक्षा के लिए इतने महंगे पैमाने तय कर रहा है कि उसे हासिल करना मुट्ठी भर लोगों के ही वश में है। ज्यादातर लोगों के लिए सरकारी योजनाओं के भरोसे रहने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है, जो ज्यादातर दिखावटी ही बनी रहती हैं। दरअसल, यह विकास की मौजूदा धारा को बदले बिना शोषण की यह गाथा मिटने वाली नहीं है। दरअसल, यह विकास बड़े पैमाने पर गैर-हुनरमंद भी बना रहा है क्योंकि यह लोगों के पारंपरिक हुनर को तो नष्ट कर ही रहा है, नए हुनर और शिक्षा के लिए इतने महंगे पैमाने तय कर रहा है कि उसे हासिल करना मुट्ठी भर लोगों के ही वश में है। ज्यादातर लोगों के लिए सरकारी योजनाओं के भरोसे रहने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है, जो ज्यादातर दिखावटी ही बनी रहती हैं। दक्षिण गुजरात में करीब एक दशक तक अध्ययन करने वाले समाजशास्त्री जेन बरमन अपनी किताब''ऑन पॉपरिज्म इन प्रेजेंट एंड पास्ट' में बताते हैं कि मौजूदा स्थितियों से हुनरमंद लोग भी बड़े पैमाने पर गैर-हुनरमंद होते जा रहे हैं, और आमदनी में कमी का दंश झेल रहे हैं। इससे समाज का बड़ा हिस्सा दोहरे संकट में फंसता जा रहा है। गुजरात मॉडल के विकास की विडंबना पर यह किताब बेहतर रोशनी डालती है, जो कभी पाटीदार आरक्षण आंदोलन तो कभी बाहरियों के प्रति गुस्से में प्रकट हो रहा है। इसलिए संकट को सही परिप्रेक्ष्य में देखना जरूरी है, तभी हम मीटू मुहिम और गुजरात में पैदा होने वाली टकराहटों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

## प्रसंगवश

# मानसिक स्वास्थ्य की त्रासदी

गिरीश्वर मिश्र

स्वास्थ आदमी के लिए सबसे बड़ी नेमत है। आज स्वस्थ रहना समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या और चुनौती के रूप में उपस्थित है। चिकित्सा विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका ''लेंसेट' के ताजे अंक में जो रपट छपी है, उससे साफ जाहिर होता है कि भारत में न केवल मानसिक बीमारियों की मात्रा ही तेजी से बढ़ रही है, बल्कि अशक्तता, अकाल-मृत्यु और गरीबी आदि की कठिनाइयां भी इन बीमारियों के साथ-साथ जुड़ी हुई हैं। मानसिक बीमारियां न केवल व्यक्ति को विभिन्न कायरे के लिए असमर्थ बनाती हैं, बल्कि उनके चलते समुदाय या समाज के स्तर पर व्यापक सामाजिक-आर्थिक हानि भी होती है। साथ ही, मानसिक स्वास्य का मुद्दा मानव अधिकार और सामाजिक भेदभाव आदि के सवालों से भी जुड़ता रहा है तथापि इसकी निरंतर उपेक्षा होती रही है।पिछले कुछ दशकों में वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने असर दिखाना शुरू किया। उसकी विकट छाया तले पूरा सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य तेजी से बदलने लगा है। इसके अंतर्गत समाज और समुदाय की उपस्थिति हाशिए पर जाती रही और व्यक्ति-केंद्रिकता हावी होती गई। इस परिवर्तन का मानसिक स्वास्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत जैसे विकासशील देश में आर्थिक रूप से संपन्न वर्ग में अवसाद बढ़ रहा है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं, युवा नशे का सेवन कर। बाजार की अर्थव्यवस्था और तीव्र और अछोर होते वैश्वीकरण के लाभ पर अब प्रश्न चिह्न लग रहे हैं। अब मनुष्य, सूचना और व्यापार, तीनों का विनिमय चल रहा है। प्रौद्योगिकी प्रबल हुई जा रही है, और उस पर आधृत अंतःक्रिया की मात्रा और गति बढ़ गई है। अब नियंतण्र चेतना के अधिक नियंतण्रऔर पारदर्शिता की जरूरत महसूस की जा रही है। अब उच्च वित्तीय सरोकार ही राज कर रहे हैं, और पर्यावरण तथा सामाजिक सरोकारों की चिंता लगभग अनुपस्थित सी है। वैश्वीकरण के लाभ संपन्न-बलशाली को ही पहुंचता है। विस्थापन, विभिन्न देशों में शरणार्थियों की बढ़ती भीड़ के साथ ही विस्थापन के अनेक रूप सामने आ रहे हैं। फलस्वरूप नगरीकरण और मलिन बस्तियां बढ़ती जा रही हैं। भीड़, प्रदूषण, अस्वास्यकर स्थलों पर रिहायश, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व में स्वास्य की स्थिति पर गौर करें तो स्पष्ट होता है कि भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में काफी निचले स्तर पर आ पहुंची है। दूसरी ओर अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक अलगाव और आर्थिक अस्थिरता की स्थितियां मानसिक अस्वास्य में वृद्धि कर रही हैं। जटिल होते सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक संदर्भ मानवीय रिश्तों को अविश्वसनीय और गैर-भरोसे वाले बनाते जा रहे हैं। ऐसे में खुद में, परिवार में, दूसरों में और अपने भविष्य को लेकर आदमी का आत्मविास डिगने लगा है।हम सब के सामने चुनौती खड़ी हो रही है कि ऐसी जीवंत मानवीय पारिस्थतिकी कैसे बनाएं कि मनुष्य की गरिमा और स्वायत्तता अक्षुण्ण बनी रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टिकाऊ विकास के जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उनको पाने के लिए सभी देशों को सहयोग करना होगा। मनो-सामाजिक पर्यावरण, आनुवांशिक कारक और मानसिक प्रक्रियाएं मिल कर मानसिक स्वास्य को सुनिश्चित करते हैं। विशेष रूप से जीवन के आरंभिक दो दशक यानी बाल्यावस्था और किशोरावस्था स्वास्य की दृष्टि से बहुत महत्व रखते हैं। इनके विकास और स्वास्य के लिए पर्याप्त सरकारी निवेश बेहद महत्त्वपूर्ण है। अपने स्वास्य पर कड़ी नजर रखना और नियंत्रित करना तभी संभव हो पाता है, जब हम स्वास्य की दुनिया के साथ ठीक तरह जुड़ते हैं। शरीर और मन, दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। स्वस्थ भोजन और व्यायाम के साथ स्वास्य की नियमित निगरानी भी जरूरी होती है। जीवन-शैली, कार्यस्थल और पर्यावरण में मौजूद जोखिम वाली स्थितियों से अवगत रहना भी आवश्यक है। बीसवीं सदी में वैयक्तिकता महत्त्वपूर्ण हो गई और धर्म जैसे व्यापक संस्थागत आधार पीछे छूटते गए। जरूरी हो गया है कि वैयक्तिकता और सामुदायिक जीवन के बीच सार्थक और संतुलित रिश्ता बने। दूसरी ओर, मीडिया की भी उपेक्षा नहीं की जा सकती। ऐसे ही आजकल तकनीकी उपकरणों की बहुतायत से दैनिक जीवन में शारीरिक श्रम की उपस्थिति नगण्य सी होती जा रही है। चूंकि पड़े रहने या बैठे रहने से न केवल मोटापा आता है, बल्कि सामान्य जीवन-क्रम भी असंतुलित हो जाता है। सो, जरूरी है कि तकनीकी प्रगति के साथ रचनात्मक संयोजन किया जाए।

## बीच समय में

# सेना से क्यों बार-बार निकलते हैं ये जयचंद?

आरके सिन्हा

वैज्ञानिक निशांत अग्रवाल के पाकिस्तान को ब्रह्मोस मिसाइल की जानकारी लीक करने का मामला प्रकाश में आने से देश स्तब्ध है। ये मामला सिद्ध कर रहा है कि हमारे देश में अब भी जयचंद जैसे आस्तीन के सांप मौजूद हैं। इस मामले पर अभी हाय-तौबा मचाने वाले सांबा जासूसी केस को क्यों भूल रहे हैं? सांबा केस 1980 में हुआ था। उसमें सेना की 168 ब्रिगेड के लगभग 50 जवानों को पकड़ा गया था। उन पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप था। अस्सी के दशक के लारकिंस जासूस केस भी हमारी यादों में है। मेजर जनरल फ्रेंक लारकिंस, उनके भाई एयर मार्शल कैनिथ लारकिंस और लेफ्टिनेंट कर्नल जसबीर सिंह को देश के बेहद संवेदनशील रक्षा दस्तावेज की पाकिस्तानी जासूसों के हाथ सप्लाई करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था। सेना के किसी भी अधिकारी का शत्रु को अहम खुफिया जानकारी देने में फंसने पर सिर्फ एक ही सजा हो सकती है। वो है सजा-ए-मौत। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने वाले निशांत अग्रवाल का मामला बेहद सनसनीखेज है। वो ब्राह्मोस मिसाइल के सीक्रेट्स आईएसआई को बेच रहा था। रक्षा मंत्रालय के तहत डीआरडीओ में वैज्ञानिक इस शख्स को 2017 में यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड तक मिल चुका है यानी जब यह देश का डिफेंस सीक्रेट बेच रहा था, उसी दौरान इसे देश में अवॉर्ड भी दिया जा रहा था यानी चूक तो कई स्तरों पर हुई है। अगर मंयक अग्रवाल के साथ उनके कुछ और साथी भी फंसे हैं, तो उन्हें भी जेल में सड़ने के लिए भेज देना चाहिए। अंडमान निकोबार के कालापानी ही इनके लिए उपयुक्त जगह होगी। इस तरह के मामलों में किसी तरह की रियायत या नरमी तो कतई नहीं बरती जानी चाहिए। निस्संदेह सेना की जासूसी करना अक्षम्य अपराध की श्रेणी में आता है। उसे कठोरतम सजा मिलनी ही चाहिए। इन जयचंदों को देश स्वीकार कभी भी नहीं कर सकता। ऐसे मामलों को राष्ट्रद्रोही नहीं मानेंगे तो और किसे मानेंगे। वे जिस देश का अन्न खा रहे हैं, जिस सरकार के वेतनभोगी हैं, उसी की पीठ में छुरा भोंक रहे हैं। महात्मा गांधी कहते थे ''हमारी धरती के पास प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता पूरी के लिए तो बहुत कुछ है, पर किसी के लालच को पूरा करने के लिए कुछ भी नहीं।'निशांत अग्रवाल या इससे पहले सुरक्षा एजेंसियों की जाल में फंसे जासूसों से पूछा जाना चाहिए कि आखिर, ये किस लालच में आकर भारत माता के साथ धोखा करने लगे? आखिर, भारत सरकार की स्थायी नौकरी इन्हें क्या नहीं देती थी। मोटी पगार, घर, पेंशन और दूसरी तमाम सुविधाओं के बाद भी अगर कोई असंतुष्ट है, तब उसका तो कोई इलाज नहीं कर सकता। सवाल उठता है कि क्यों पैदा होते निशांत अग्रवाल? सेना के तीन अंगों और देश के रक्षा क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के आला अफसरों को भी इस सवाल का जवाब देना पड़ेगा कि उनके यहां निशांत अग्रवाल जैसे अफसर आखिरकार, पैदा कैसे हो जाते हैं? कमी किस स्तर पर है? यहां पर मसला सिर्फ एक निशांत का नहीं है। जिस तरह से सेना के जासूसों की गिरफ्तारी की खबरें आती रहती हैं, उनसे तो यही लगता है कि सेना में जासूसी करने वालों ने अपने पैर पसार रखे हैं। इनके लिए पैसा कमाना देश सेवा से कहीं अधिक अहमियत रखता है। निशांत जैसों के अफसर यह जवाब दें कि उन्हें ये पता क्यों नहीं चल पाता कि उनके ही महकमे में कुछ आस्तीन के सांप पल रहे हैं? जाहिर है, इन सवालों के जवाब तो उन्हें ही देने होंगे। यह सवाल देश पूछ रहा है और उनके अपने दोस्त मित्र और रिश्तेदार भी पूछ ही रहे होंगे। दरअसल, हमारे दो पड़ोसी पाकिस्तान और चीन, जो घनघोर शत्रु भी हैं, हमें सदैव कमजोर होते देखना चाहते हैं। वे दूर-दूर तक यह नहीं चाहते कि भारत विश्व शक्ति बने। हालांकि उनके न चाहने के बाद भी हम संसार की सैन्य और आर्थिक शक्ति बन चुके हैं। हमें इन दोनों से बार-बार बिना वजह उलझना पड़ता है। हम इन दोनों देशों से कई बार युद्ध के मैदान में भी दो-दो हाथ करके इन्हें जन्नत की हकीकत दिखा चुके हैं। पर ये दोनों ही हमारी सेना में सेंध लगाने की लगातार जी तोड़ कोशिश करते रहते हैं। आपको याद ही होगा भारत को चीन से डोकलम में करीब तीन माह तक लोहा लेना पड़ा था। जंग के हालत तक बन चुके थे। पर चीन ने अंततः अपने कदम पीछे खींच लिए। उसे पता था कि इस बार युद्ध हुआ तो भारत उसके गले में अंगूठा डाल देगा। अब अपना भारत 1962 वाला नहीं रहा है। डोकलाम के बाद पाकिस्तानी घुसपैठिये भी बार-बार भारत में घुसपैठ की कोशिशें करते रहे हैं। पाकिस्तान तो बेशर्म मुल्क है। लगता है कि 1948, 1965, 1971 और करगिल की हार को भूल गया है। वह फिर से एक मार ढूंढ रहा है। पर इन सब बातों के बावजूद यह तो मानना ही होगा कि उसका काफी काम हमारे निशांत अग्रवाल जैसे जयचंद कर देते हैं। अब हमें कई स्तरों पर सक्रिय होना पड़ेगा। पहला, अपने जासूसों को कड़ी से कड़ी सजा देना। दूसरा, सेना में व्याप्त गड़बड़ियों को दूर करना। दुर्भाग्यवश मुझे यह कहना पड़ रहा है कि सेना के भीतर भी कई स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। सेना का एक छोटा-सा वर्ग अपने लालच के कारण सेना की महान उजली छवि पर दाग लगा रहा है। यहां पर सिर्फ आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले का उल्लेख करना ही काफी होगा।

## सार समाचार

### पाकिस्तान: ऑटो ड्राइवर के अकाउंट से 300 करोड़ रुपयों का लेनदेन, चालक को खबर तक नहीं

कराची। पाकिस्तान में एक ऑटो रिक्शा चालक के खाते से 300 करोड़ रुपये के लेनदेन का मामले का सामने आया है। न्यूज एजेंसी भाषा के मुताबिक पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी एफआईए ने ऑटो रिक्शा चालक को समन जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा है। चालक का नाम मुहम्मद रशीद है और वह कराची का रहने वाला है। उसे अपने खाते से भारी-भरकम लेनदेन का पता उस समय चला जब एफआईए ने उसे समन भेजकर सफाई मांगी।

रशीद ने कहा, 'मुझे संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय से फोन आया था और उन्होंने मुझे पूछताछ के लिए आने को कहा। मैं डर गया था कि क्योंकि मैं नहीं जानता था कि क्या हुआ है। जब मैं उनके कार्यालय गया तो उन्होंने मुझे बैंक खाते का रिकॉर्ड दिखाया।' रशीद ने बताया कि अधिकारियों ने मुझसे कहा कि मेरे वेतन खाते से कुछ 300 करोड़ रुपये का लेनदन हुआ है। यह खाता 2005 में खुलवाया था जब मैं एक निजी कंपनी में ड्राइवर था। उसने कहा कि अपना काम शुरू करने के कुछ ही महीने बाद उसने नौकरी छोड़ दी थी। तीन सौ करोड़ मेरे लिए एक सपना है। मैंने अपनी जिंदगी में कभी एक लाख रुपये नहीं देखे हैं। उसका कहना है कि उसने एफआईए के अधिकारियों को अपनी वित्तीय हालत से अगवत करा दिया और वे इसे मानने पर राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले ही कराची के एक फल बेचने वाले के खाते में 200 करोड़ रुपये से अधिक पाये गये थे। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी धन शोधन के इन मामलों की जांच कर रही है।

### सोमालिया में आत्मघाती विस्फोटों में कम से कम 16 लोगों की मौत

मोगादिशू। सोमालिया में शनिवार को एक रेस्त्रां तथा कॉफी शॉप को निशाना बनाकर किए आत्मघाती विस्फोटों में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आत्मघाती हमलावर दक्षिण पश्चिमी शहर बैडोआ में इन स्थानों पर घुसे तथा मिनटों के भीतर खुद को विस्फोट कर उड़ा लिया। ये धमाके सोमालिया में ट्रक धमाकों की पहली वर्षगांठ के एक दिन पहले हुए हैं। ट्रक विस्फोट में 500 से अधिक लोग मारे गए थे।बैडोआ में पुलिस अधिकारी अब्दुलाही मोहम्मद ने कहा, ''हम विस्फोटों में 16 लोगों के मरने तथा करीब 20 अन्यों के घायल होने की पुष्टि करते हैं। इनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हैं। नौ लोग दूसरे विस्फोट में मारे गए और सात पहले विस्फोट में।'

### डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, चीन अभी तक करार के लिए तैयार नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा है कि चीन उनके साथ व्यापारिक समझौता करना चाहता है लेकिन उन्होंने उसे एक सप्ताह पहले ही कहा था कि वह अब तक इसके लिए तैयार नहीं है। ट्रंप ने कहा कि चीन उनकी नीतियों के कारण दबाव में है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा, ''मैंने उनसे एक सप्ताह पूर्व कहा था-- वे आना चाहते हैं, वे एक समझौता करना चाहते हैं। मैंने कहा कि आप करार के लिए तैयार नहीं हैं।'' राष्ट्रपति ने बताया कि उन्हें विश्वास नहीं है कि चीन अभी तक व्यापार समझौता करने के लिए तैयार है।उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''चीन एक करार करना चाहता है। चीन समझौता करना पसंद करेगा। मुझे नहीं लगता कि वे अब तक तैयार हुए हैं।'' पिछले छह महीने से अधिक समय में अमेरिका ने 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के उत्पादों के आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाया है। उन्होंने और अधिक शुल्क लगाने की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार उचित और संतुलित नहीं है। उन्होंने चीन पर बौद्धिक संपदा चोरी करने का भी आरोप लगाया।

# अमेरिकी सांसदों की पीएम मोदी से गुहार, डेटा स्थानीयकरण पर नरम रुख अपनाये भारत

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

वॉशिंगटन। अमेरिका के दो सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डेटा स्थानीयकरण (आंकड़ों को देश के भीतर की संग्रहीत करने की व्यवस्था) पर नरम रुख अपनाने का आग्रह किया है। उन्होंने चेताया कि भारत की इस नीति से अमेरिकी कंपनियों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। डेटा स्थानीयकरण का अर्थ है कि देश में रहने वाले नागरिकों के निजी आंकड़ों को एकत्र, प्रसंस्करण और संग्रहीत करके उसी देश की सीमा के भीतर ही रखा जाये।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल में परिपत्र जारी करके सभी वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों से भुगतान प्रणाली से जुड़े सभी आंकड़ों को भारत में ही एक प्रणाली में संग्रहीत करने को कहा था। बैंक ने नियमों के अनुपालन के लिए 15 अक्टूर का समय दिया है। अमेरिकी सांसद जॉन कॉर्नयन और मार्क वार्नर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में भारत सरकार के डेटा स्थानीयकरण का विरोध किया।

उन्होंने कहा, 'डेटा संरक्षण विधेयक और राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति की रूपरेखा में शामिल डेटा स्थानीयकरण से भारत में कारोबार करने वाली कंपनियों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इसका असर आपके अपने आर्थिक लक्ष्यों पर भी पड़ सकता है।' सांसदों ने आग्रह किया कि जब कंपनियां उच्च गुणवत्ता के निजता संबंधी सुरक्षा उपाय अपनाती है तो इससे यह फर्क नहीं पड़ता है कि वे डेटा कहां संग्रहीत करती हैं।

उन्होंने कहा, 'डेटा सुरक्षा के बजाये डेटा स्थानीयकरण पर जोर देने से उपभोक्ताओं और कंपनियों की दक्षता प्रभावित होगी और खरीद तथा डेटा सेवा की आपूर्ति की लागत में वृद्धि होगी। इससे वास्तव में या तो डेटा आधारित सेवाओं की लागत बढ़ेगी या फिर उनकी उपलब्धता कम हो जाएगी।'

### नेपाल- प्रेस की आजादी के नए नियम को लेकर विपक्षी पार्टी ने किया विरोध

**काठमांडू (एजेंसी)।**

नेपाल की मुख्य विपक्षी पार्टी नेपाली कांग्रेस ने सरकार को नयी अपराध संहिता के जरिए प्रेस की आजादी पर नियंत्रण नहीं लगाने की चेतावनी दी है. दरअसल, नेपाल की कम्युनिस्ट सरकार एक नयी अपराध संहिता लेकर आई है. गोपनीय सूचना को प्रकाशित करने, बगैर इजाजत के ऑडियो रिकॉर्ड करने, या तस्वीर खींचने के लिए जेल की सजा दिये जाने का इसमें प्रावधान किया गया है. पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस (एनसी) के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने कहा, ''प्रेस की आजादी पर किसी भी आधार पर नियंत्रण नहीं लगाया जाना चाहिए. '' उन्होंने नेपाली पत्रकारों को किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिये तैयार रहने को कहा है. चितवन जिला में शुक्रवार को नेपाल प्रेस यूनियन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि एनसी प्रेस की आजादी में सरकार के किसी भी तरह के दखल को स्वीकार नहीं करेगी.

# अमेरिका: ग्रीन कार्ड में प्रस्तावित बदलाव का एशियाई समुदाय ने किया विरोध

**लाहौर (एजेंसी)।**

वॉशिंगटन- अमेरिका में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोगों ने 'सरकारी सहायता' की परिभाषा में बदलाव करने के ट्रम्प प्रशासन के प्रस्ताव का विरोध किया है. उनका दावा है कि इस कदम का नये वैध प्रवासियों, खास तौर पर दक्षिण एशिया से आने वाले लोगों पर नुकसानदेह असर पड़ेगा. अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा पेश प्रस्ताव के अनुसार ''सरकारी सहायता'' की परिभाषा में किसी प्रवासी को तभी शामिल किया जायेगा, जब वह ''एक या अधिक सरकारी सहायता पाता हो'' तथा व्यक्ति के भविष्य में किसी समय सरकारी सहायता पाने की संभावना हो.

प्रस्तावित बदलाव ''सरकारी सहायता'' नियम के मसौदा का हिस्सा हैं. इसके तहत अगर प्रवासियों ने पहले कोई सरकारी सहायता ली है, या भविष्य में उन्हें ऐसी कोई सहायता मिलने की संभावना है तो उन्हें ग्रीन कार्ड देने से इनकार किया जा सकता है. डीएचएस ने इस सप्ताह की शुरूआत में संघीय पंजी में मसौदा नियम प्रकाशित किया है और उसने सभी हितधारकों से 60 दिन के अंदर टिप्पणियां मांगी है.

# सऊदी अरब के साथ हथियार समझौता रद्द करने के खिलाफ हैं डोनाल्ड ट्रंप

**वाशिंगटन (एजेंसी)।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि वह सऊदी अरब के साथ 110 अरब डॉलर के बड़े हथियार सौदे को रद्द करने के खिलाफ हैं क्योंकि इससे देश की अर्थव्यवस्था और नौकरियों पर असर पड़ेगा। पत्रकार जमाल खाशोगी के अचानक लापता हो जाने के बाद मीडिया और अमेरिकी कांग्रेस की तरफ से सऊदी अरब के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जबर्दस्त दबाव के बीच ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि वह इस मुद्दे की तह में जाने का प्रयास कर रहे हैं और सऊदी अरब से इस बारे में ब्योरा मांगा है।

वॉशिंगटन पोस्ट के लिए लिखने वाले खाशोगी की इंस्ताबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास के भीतर सऊदी अधिकारियों द्वारा हत्या कर दिये जाने की आशंका है। खाशोगी को अंतिम बार वहां प्रवेश करते हुए देखा गया था। तुर्की के अधिकारियों ने दावा किया कि उनके पास ऑडियो और वीडियो है जिससे संकेत मिलता है कि वाणिज्य दूतावास में खाशोगी की जघन्य हत्या कर दी गई। सऊदी अरब ने अब तक आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, इस मुद्दे को लेकर उसे दुनिया भर में आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है।

ट्रंप ने कहा कि उनकी इस मुद्दे पर सऊदी शाह से बात करने की योजना है। उन्होंने कहा, ''मैं सऊदी अरब के शाह सलमान को भी फोन करूंगा क्योंकि मुझे लगता है कि क्या चल रहा है इस बारे में मेरा उनसे पूछना उचित रहेगा।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि वह इसकी वजह से सऊदी अरब के साथ 110 अरब डॉलर का बड़ा हथियार सौदा रद्द करने के खिलाफ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कदम से अमेरिका में नौकरियों पर असर पड़ेगा। इसके अलावा, अगर अमेरिका पीछे हटता है तो रूस और चीन उसे जरूरी हथियारों की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने कोई अंतिम निर्णय नहीं किया है।

# मोदी की राह पर चले इमरान, कहा- पाक को यूरोप से अधिक बनाएंगे स्वच्छ

**कोलंबो (एजेंसी)।**

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को पाकिस्तान में स्वच्छता संबंधी स्थितियों को सुधारने के लिए आधिकारिक तौर पर एक अभियान की शुरूआत करते हुए कसम खाई कि वह देश को 'यूरोप से भी अधिक स्वच्छ' बनाएंगे। रेडियो पाकिस्तान के मुताबिक खान ने इस्लामाबाद के मॉडल गर्ल्स कॉलेज में 'स्वच्छ एवं हरित पाकिस्तान' अभियान में भाग लिया और एक पौधा लगाया। इस अवसर पर खान ने छात्रों एवं युवाओं से अपील की कि वे इस अभियान के अगुआ बनें क्योंकि यह देश के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कसम खाई कि वह पांच सालों में देश को 'यूरोप से अधिक स्वच्छ' बना देंगे। उन्होंने कहा, 'इसे संभव बनाने के लिए हमें अपनी सोच में भी बदलाव लाना होगा।' उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि 'पर्यावरण के संरक्षण और पृथ्वी के बढ़ते तापमान से निपटने के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है।' खान ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के लिहाज से पाकिस्तान सातवां सबसे संवेदनशील देश है। उन्होंने उल्लेख किया कि लाहौर उन शहरों में शामिल है जहां प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक है।

उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी की सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अरबों पौधे लगाए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने अब देशभर में 10 अरब पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है जिससे मौसम की पद्धति में बदलाव आएगा। खान ने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत मल-प्रवाह एवं स्वच्छता प्रणालियों को न सिर्फ शहरों बल्कि बस्तियों एवं गांवों में भी में सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा कि ठोस कचरे के निस्तारण के लिए गांव से लेकर तहसील स्तर तक कूड़ा डालने के स्थानों की पहचान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को साफ एवं हरा-भरा बनाने के लिए छात्रों के ओर से प्रयास किए जाने की जरूरत है।

# तुर्की: प्रवासियों को लेकर जा रहा वाहन नदी में गिरा, बच्चों समेत 19 लोगों की मौत

**इस्तांबुल (एजेंसी)।**

पश्चिमी तुर्की में रविवार को प्रवासियों को लेकर जा रहे एक वाहन के नदी में गिर जाने के कारण बच्चों सहित 19 लोगों की मौत हो गई. सरकारी अनादोलू संवाद एजेंसी ने बताया कि वाहन इजमीर क्षेत्र में राजमार्ग से कई मीटर नीचे जा कर एक नदी में गिर गया. प्रवासियों की राष्ट्रीयता का पता नहीं चला है. एजेंसी ने बताया कि हादसे में 19 लोगों की मौत हो गयी और 11 लोग जख्मी हो गए. तुर्की के टेलीविजन के दृश्यों में वाहन का मलबा नजर आ रहा है. आपात सेवा के कर्मचारियों को घटनास्थल पर भेजा गया है.

डीएचए समाचार एजेंसी ने बताया है कि वाहन इजमीर क्षेत्र के तटवर्ती इलाके की ओर जा रहा था. वहां से सभी प्रवासी नौका के जरिए यूनान के समोस द्वीप जाने वाले थे. मध्य पूर्व, एशिया और अफ्रीका के कई अशांत देशों से आव्रजक तुर्की के जरिए यूरोप में नयी जिंदगी की शुरूआत के लिए जाते हैं.

# पाकिस्तान: नवाज शरीफ परिवार ने घोटाले के आरोप में हिरासत में बंद शाहबाज शरीफ से की मुलाकात

**लाहौर (एजेंसी)।**

पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनके परिवार के सदस्यों ने यहां राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के कार्यालय में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख शाहबाज शरीफ से उनकी गिरफ्तारी के बाद दूसरी बार मुलाकात की. आपको बता दें कि शाहबाज शरीफ 1400 करोड़ रुपये के आशियाना आवास घोटाला मामले में 16 अक्टूबर तक राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो, लाहौर की हिरासत में हैं.

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार नवाज ने अपने पूरे परिवार के साथ एनएबी कार्यालय जाकर शाहबाज शरीफ से मुलाकात की. इस दौरान उनके साथ हमजा शाहबाज, नुसरत शाहबाज और परिवार के अन्य सदस्य भी थें. नवाज परिवार के सारे सदस्य शनिवार को एक घंटे से ज्यादा देर तक शाहबाज शरीफ के साथ रहें.

पांच अक्टूबर को शाहबाज की गिरफ्तारी के बाद उनसे परिवार के सदस्यों की यह दूसरी भेंट थी. इससे पहले शरीफ परिवार के सदस्य उनसे सात अक्टूबर को मिले थे. सूत्रों के हवाले से अखबार की खबर में कहा गया है कि शनिवार की मुलाकात शाहबाज के स्वास्थ्य को लेकर थी. वैसे इस मुलाकात के दौरान उपचुनाव की स्थिति पर दोनो भाईयों के बीच चर्चा हुई.

अपने भाई की गिरफ्तारी के बाद नवाज शरीफ लगातार यह आरोप लगा रहें हैं कि उनके भाई शाहबाज को प्रधानमंत्री इमरान खान की शह पर गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने कहा कि शरीफ परिवार के विरुद्ध एनएबी की कार्रवाई का उद्देश्य उनके परिवार को राजनीतिक रुप प्रताड़ित करने का प्रयास है.

वैसे पीएमएल-एन ने कहा है कि अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने को लेकर वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की अगुवाई वाली सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरु करेगी.

सूरत। जय बजरंग यूथ कल्ब अटलजी नगर ए.के.रोड़ वराछा में मां दुर्गा की स्थापना की गई है।

## जीआईडीसी से परप्रांतीय का जला हुआ शव बरामद

सूरत। गुजरात में परप्रांतीयों के पलायन के बीच सूरत की जीआईडीसी से एक परप्रांतीय का जला हुआ शव बरामद होने की खबर ने पुलिस-प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। सूरत के मांगरोल में जीआईडीसी क्षेत्र के एक बंद मकान से परप्रांतीय का जला हुआ शव बरामद हुआ है7 मृत व्यक्ति जीआईडीसी स्थित एक कंपनी में नौकरी करता था और जिस मकान में रहता था, वहीं से उसका शव मिला है। फिलहाल यह कहना है मुश्किल है कि परप्रांतीय ने आत्महत्या की या उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

## गत्ते से लदा ट्रक में लगी आग, ट्रक जलकर स्वाहा

सूरत। शहर के डिंडोली क्षेत्र में देर रात गत्ते से लदे एक ट्रक में अचानक आग भड़की। इस घटना में ट्रक जलकर स्वाहा हो गया। आग के चलते डिंडोली-गोडादरा ब्रिज पर यातायात ठप हो गया।

जानकारी के मुताबिक सूरत के डिंडोली-गोडादरा ब्रिज पर गत्ते से लदा एक ट्रक गुजर रहा था। उस वक्त ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल स्वरूप धारण कर लिया और पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक में आग लगने के बाद डिंडोली-गोडादरा ब्रिज पर वाहनों के आवागमन को बंद कर दिया गया। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। इस आग में गत्ते समेत पूरा ट्रक जलकर स्वाहा हो गया। समय रहते ट्रक चालक ने बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। ट्रक में आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला।

### विजय रुपाणी दो दिन के यूपी यात्रा पर

## योगी को स्टेच्यू ऑफ यूनिटी में उपस्थित होने का निमंत्रण

गांधीनगर। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी रविवार शाम को उत्तर प्रदेश जाने के लिए रवाना होंगे। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के अनावरण के कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निमंत्रण देने के लिए जा रहे है। दो दिवसीय दौरे के तहत वह रविवार शाम को लखनऊ पहुंचेंगे। ३१ अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व की सबसे ऊंची सरदार साहब की प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लोकार्पण होने वाले कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रण देने के लिए राज्य सरकार के मंत्रियों और नेता कई राज्यों के दौरे पर जा रहे हैं। सोमवार को सुबह में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच मुलाकात बाद लखनऊ में आयोजित एकता संवाद सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। विजय रुपाणी लखनऊ में गुजराती समाज के लोगों के साथ भी वार्ता करेंगे। अब स्टेच्यू ऑफ यूनिटी विषयक पत्रकार परिषद में उपस्थित होंगे। वह उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की भी मुलाकात लेंगे। रुपाणी सोमवार शाम को गांधीनगर वापस आयेंगे।

## महेसाणा पुलिस ने सूरत के 6 आरोपियों को 2.50 करोड़ की लूट में धर दबोचा

सूरत। रायपुर में आंगडिया पेटी कर्मचारियों द्वारा लूट के माले को महेसाणा पुलिस द्वारा चंद घंटों में ही लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर नवापुर पुलिस स्टेश पर हाजिर किया। महाराष्ट्र के नवापुर के पास से 2.50 करोड़ रुपए की लूट की गई थी। महेसाणा पुलिस ने कुल 1.22 करोड़ के नोट और कुल 1.26 करोड़ का मुद्दा माल जब्त किया है। लूट के आरोपी पटेल र ाजेन्द्र कुमार कानजीभाई , अमरसा चेनाजी ठाकोर, पटेल अक्षय कुमार शेलेषभाई, पटेल कुमार शांतिलाल, पटेल दीप कुमार हसमुख भाई, पटेल हार्दिक गोविंद भाई इन सभी को कोर्ट में हाजिर कर 7 दिन का रिमांड दिया गया।

वायु प्रदूषण के कारण एक के बाद एक समस्याएं पैदा हो रही है अब गरबा में भी प्रदूषण रोकने के मामले में जागरूकता फैलाने के प्रयास हो रहे है।

### महिला पुलिस की स्पेशियल स्कवोर्ड की कार्रवाई

# नवरात्रि में ४ दिन में छेड़छाड़ करते ५० रोमियो गिरफ्तार

### महिला पुलिस भी बिना वर्दी और चणियाचोली में तैयार होकर रास-गरबा के स्थल पर रोमियो पर कड़ी निगरानी

अहमदाबाद। शहर सहित देशभर में नवरात्रि का माहौल है। नवरात्रि पर बड़ी संख्या में युवती भी गरबा खेलने जाती है। अब गरबा खेलती महिलाओं की छेड़छाड़ के पिछले चार दिन में सामने आया था। गरबा खेलती युवतियों से छेड़छाड़ करने पर ५० रोमियो को पुलिस ने तैयार की महिला कर्मचारियों की स्पेशियल स्कवोर्ड ने गिरफ्तार किया था और उनको जेल भेजा गया। शहर से युवती गरबा करने के लिए देर रात तक घर से बाहर पार्टी प्लोट में जाती है। विभिन्न क्षेत्रों से आती युवतियों की सुरक्षा को लेकर उनके परिजनों में लगातार चिंता बनी रहती है। इस दौरान यदि किसी युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना हो तो घर पर कैसे पहुंचेंगी इस मुद्दे पर पूरे रास्ते चिंता होती है। परिज नों की चिंता के कारण तथा रोड छाप रोमियो को सबक सिखाने के लिए शहर पुलिस ने विशेष एन्टी रोमियो स्कवोर्ड बनाई गई है। महिला पुलिस अधिकारियों और महिला पुलिस कर्मचारी ट्रेडिशनल ड्रेस में खेलैया के साथ गरबा करती है और यदि कोई भी युवती की मजाक या शारीरिक छेड़छाड़ करने वाले लोगों को तुरंत ही ढूढ़कर इसे लोकअप में भेज देने की तैयारी करती है। अहमदाबाद में पिछले चार दिन में पुलिस ने ५० से ज्यादा रोमियो को गिरफ्तार करके सबक सिखा दिया है। अहमदाबाद महिला क्राइम ब्रांच की डीसीपी पन्ना मोमाया तथा शहर के सेक्टर-२ और जोन-४ स्कवोर्ड ने शहर में रात को गरबा खेलकर घर वापस आती युवतियों की सुरक्षा तथा गरबा के स्थल पर युवतियों से होते छेड़छाड़ के कारण विशेष स्कवोर्ड बनाये गये है। इस स्कवोर्ड में विशेष सिलेक्ट की गई महिला पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों को रोमियो को किस तरीके से सबक सिखाना इसकी ट्रेनिंग दी गई थी। जोन-४ के डीसीपी निरज बडगुजर ने गत दिन सभी महिला पुलिस कर्मचारियों को गरबा के स्थलों पर ट्रेडिशनल ड्रेस में जाकर रोमियोगिरी करते लोगों को गिरफ्तार करने के लिए सूचना दी गई थी।

सबरीमाला मंदिर के संदर्भ में हाल में ही फैसला सुप्रीम ने सुनाने के बाद इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है। भगवान अयप्पा के भक्तों ने सुप्रीम के फैसले के विरोध में रैली आयोजित की गई थी।

### ५७ लोग शराब पीने के बाद ड्राइविंग करते पकड़े

## नवरात्रि में शराब पीए हालत में ११६ लोग पकड़े गये थे

अहमदाबाद। नवरात्रि त्यौहार के दौरान शहर के सेक्टर-२ क्षेत्र में कोई घटना नहीं हो और कानून और व्यवस्था की परिस्थिति बरकरार रहे इस उद्देश्य से सेक्टर-२ जोन के डीसीपी, एसीपी सहित के उच्च अधिकारियों द्वारा संबंधित जोन और डीविजन में पिछले चार के दौरान शुरू की गई वाहन चेकिंग की मेगा ड्राइव के दौरान कुल ११६ लोग शराब पीए हालत में पकड़े गये, ५७ लोग शराब पीने के बाद ड्राइविंग करते पकड़े गये।

पुलिस ने यह सभी आरोपियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की गई थी। इतना ही नहीं, सेक्टर-२ पुलिस की ड्राइव के दौरान कुल ४११७ वाहनचालकों के पास से ५.४५ लाख रुपये से ज्यादा का स्थल पर जुर्माना वसूल किया गया। सेक्टर-२ क्षेत्र में पुलिस द्वारा ५८२ वाहनों को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा-२०७ के अनुसार डिटेइन करने की कार्रवाई शुरू की गई थी। इसके अलावा तीन प्रोहिबीशन पजेशन के केस ढूढ़ निकाले गये, जिसमें से दो केस है। जबकि शराब पीकर ड्राइविंग करते पकड़े गये ५७ लोगों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की गई थी। सेक्टर-२ क्षेत्र में मेगा ड्राइव के दौरान कुल ११६ लोग शराब पीये हालत में पकड़े गये, इसी वजह से पुलिस ने उनके विरूद्ध प्रोहिबीशन एक्ट के विरूद्ध कार्रवाई की थी। सेक्टर-२ पुलिस के स्टाफ और टीम द्वारा इसके जोन और डिविजन में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग टीम बनाकर वाहन चेकिंग की मेगा ड्राइव चलाई गई थी। जिसमें पुलिस ने शराब पीये और शराब पीने के बाद भी वाहन ड्राइविंग सहित के केस दर्ज करके आगे की जांच शुरू की गई।

# धारी में ३० फीट गहरे कुएं में शेर गिर जाने से सनसनी

### कुएं से बाहर निकालने के बाद अधिकारियों द्वारा इसकी जांच और उपचार बाद फिर से जंगल में छोड़ दिया गया

अहमदाबाद। जूनागढ़ जिला के धारी के देवला गांव में रविवार को सुबह में ३० फीट गहरे कुएं में एक शेर गिर गया था। इस बारे में जानकारी गांव के लोगों को मिलने पर वह पहुंच गए और वन विभाग को जानकारी दी गईओ। वन विभाग पिंजरे के साथ पहुंच गया। वन विभाग ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करके शेर को बाहर निकाला गया। शेर को सुरक्षित बाहर निकालकर वन विभाग के अधिकारियों ने इसे योग्य उपचार करने के बाद फिर से जंगल में छोड़ दिया गया। शेर को समय पर बचा लेने से स्थानीय निवासियों ने भी राहत महसूस की है। उल्लेखनीय है कि, पिछले एक महीने में गीर क्षेत्र में दलखानिया और जसाधार रेन्ज में २३ शेरों की मौत बाद शेरों की सुरक्षा और देखभाल को लेकर काफी चिंता और डर का माहौल फैला हुआ है। शेर को कुछ होने का समाचार मिलने से खुद वन विभाग के अधिकारियों के साथ स्थानीय लोग भी डर जाते है। इसी वजह से शेरों की सुरक्षा को लेकर अभी तो सभी लोग चिंतित है अब रविवार को सुबह में धारी क्षेत्र के देवला गांव में एक खुले ३० फीट गहरे कुएं में एक शेर अचानक गिर पड़ा इसका आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंच गये शेर को कुएं में गिरा हुआ देखा। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही इस घटना के बारे में वन विभाग को जानकारी देने पर वन विभाग के अधिकारियों और स्टाफ का काफिला पिंजरे के साथ तुरंत कुएं के घटना स्थल पर पहुंच गये और शेर को रेस्क्यू करने का काम शुरू किया गया। काफी प्रयास के बाद आखिर में शेर को ३० फीट गहरे कुएं सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला गया। शेर पिंजरे में डालने पर ग्रामीणों ने राहत महसूस की है। यह शेर करीब ३ वर्ष का होने का जानकारी मिली है। बाद में वन विभाग के अधिकारियों ने तुरंत इसकी जांच और उपचार करके फिर से जंगल में छोड़ दिया गया। जिसकी वजह से सभी लोगों ने राहत और खुशी महसूस की।

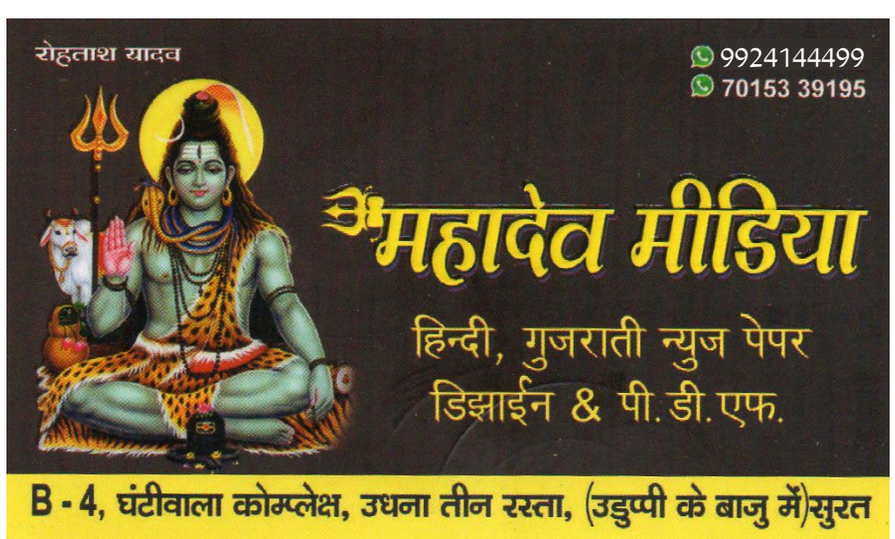


## रिवरफ्रन्ट पर दो बाइक टकरा गये : पुलिसकर्मी की मौत हुई

अहमदाबाद। शहर के साबरमती रिवरफ्रन्ट पर गत दिन देर रात को दो बाइक के बीच हुई एक गंभीर दुर्घटना में हुई थी। जिसमें एक पुलिस कर्मचारी को गंभीर चोटें आयी जि सकी वजह से मौत होने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। दूसरी तरफ, शहर के पुलिसबेडा में शोक की लहर फैल गई है। रिवरफ्रन्ट पुलिस ने इस घटना के मामले में जरूरी अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के रिवरफ्रन्ट पर गत दिन देर रात को आमने-सामने टकराने पर एक बाइक पर सवार युआरएलडी जवान की उपचार के दौरान मौत हुई थी। खमासा से पुलिस बंदोबस्त पूरा करके वह वापस आ रहे थे तब रोंग साइड में तीन सवारी में बाइक ने यह दुर्घटना की है। नवरात्रि चल रही है तब गत दिन रात को साबरमती रिवरफ्रन्ट पर रोड पर वाहनों का आवागमन था। इस दौरान सागर मेर नाम का पुलिस कॉन्स्टेबल अपनी बाइक पर जा रहे थे। ऐसे समय में सामने से आ रही बाइक के साथ इसका बाइक टकरा गया। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कॉन्स्टेबल और सामने के बाइकसवार को गंभीर चोटें आयी थी।

आमने-सामने बाइक टकराने से घायल पुलिसकर्मी को तुरंत उपचार के लिए निकट वीएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन उपचार सफल नहीं हुआ और इसकी मौत हो गई थी। जबकि सामने बाइक पर आते कई युवक भी घायल होने पर उनको भी उपचार के तहत भर्ती कराया गया। हालांकि पुलिस जवान की मौत से शहर के पुलिसबेडा में शोक की लहर फैल गई है। इस घटना की वजह से स्थानीय निवासियों में भले नवरात्रि का उत्सव हो लेकिन वाहन हमेशा सावधानी से चलाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com